

# हिन्दुस्तानी

(त्रैमासिक शोध पत्रिका)

भाग - ६८  
अंक - १

SALTOC Project  
Title: Hindustānī  
Imprint: Ilāhābāda : Hindustānī Ekedemī  
OCLC: 1752083  
Volume 68 number 1 (Jan-Mar 2007)  
TOC Supplied by: Center for Research Libraries

जनवरी - मार्च  
सन् - २००७

प्रधान सम्पादक

डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह

सम्पादक

डॉ० अनिल कुमार सिंह

संयुक्त सम्पादक

डॉ० योगेश्वर तिवारी

डॉ० हर्ष कुमार

सहायक सम्पादक

ज्योतिर्मयी



हिन्दुस्तानी एकेडेमी

इलाहाबाद

मूल्य : ३० रुपये

वार्षिक : १२० रुपये

## अनुक्रम

□ सम्पादकीय		13
□ आलेख		
□ औरंगजेब ( १६५६ - १७०७) कालीन हिन्दी साहित्य	- डॉ० अशोक कुमार चटर्जी एवं - डॉ० देवेश कुमार सिंह	14
□ बौद्ध दर्शन में निर्वार्ण का स्वरूप	- विनोद कुमार सिंह	114
□ उत्तर संरचनावाद और नरेश मेहता	- डॉ० के०सुरेन्द्रन	117
□ रामस्वरूप चतुर्वेदी की इतिहास दृष्टि	- डॉ० ज्ञानेन्द्रराम त्रिपाठी	122
□ वैदिकयुगीन अर्थव्यवस्था और मुद्रा	- सत्तन कुमार सिंह	127
□ हिन्दी आलोचना : वर्तमान परिदृश्य	- डॉ० उत्तम कुमार शुक्ल	131
□ प्रेमचन्द के उपन्यासों में लघु पात्रों की परिकल्पना	- राहुल पाण्डेय	136
□ ऐतिहासिक दृष्टि से कौशाम्बी का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	- सीमान्त प्रियदर्शी	140
□ कबीर की प्रासंगिकता की विवेचना	- डॉ० विजय शंकर दुबे	142
□ मौर्यकाल में वस्त्र - उद्योग	- सत्यप्रकाश श्रीवास्तव	144
□ प्रेमचन्द की कहानियों में लोक संस्कृति का विराट पक्ष	- अंजनीकुमार सिंह	147
□ निराला की गद्य-शैली एवं उनके उपन्यास	- डॉ० अंशुमान कुशवाहा	153
□ समकालीन नारी - लेखन में स्त्री - विमर्श	- डॉ० मोहम्मद राशिद	156
□ रुद्र काशिकेय के गद्य साहित्य की विशिष्टताएँ	- पंकज कुमार सिंह	170
□ रामकाव्य में नीतितत्व	- अनिल कुमार पाठक	174
□ भारतीय संस्कृति के पोषक एवं उद्गाता - प्रसाद	- सुरेन्द्र प्रकाश तिवारी	172
□ प्रेमचन्द के उपन्यासों में स्वतन्त्रता आन्दोलन एवं गांधीवाद का प्रभाव	- आराधना सिंह	177
□ कविवर ईशदत्त शास्त्री श्रीश के काव्य में राष्ट्रीय चेतना	- अनुराधा यादव	194
□ सत्य - एक विचार विमर्श	- रागिनी	199
□ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की शैक्षिक अवधारणा की प्रासंगिकता	- राकेश मणि पाण्डेय	198
□ हीर (वारिस)	- डॉ० गुरमीत सिंह	196
□ संस्कृत साहित्य में गद्य शब्द की निष्पत्ति	- डॉ० प्रियंका सिंह	199
□ नल कथानक का उद्भव	- अरुण कुमार त्रिपाठी	194
□ रचनाकारों के पते		199